ont>

14.04 hrs. (Shri Devendra Prasad Yadav in the Chair)

Title: Need to link Narmada, Kshipra, and Chambal rivers with a view to solve drought situation in Malwanchal in Madhya Pradesh.

श्री थावरचन्द गेहलोत (शाजापुर) : सभापति जी, मालवांचल विशेाकर उज्जैन संभाग के सभी जिले पिछले अनेक वर्ाों से भयंकर सूखे की चपेट में हैं। इस क्षेत्र में पानी का स्तर लगभग 400 मीटर तक नीचे चला गया है और केवल पिछले एक र्वा में ही यह 4 से 6 मीटर तक नीचे चला गया है और ऐसा लगता है कि धीरे-धीरे यह क्षेत्र मरुस्थल बनने की ओर अग्रसर हो रहा है। यदि ऐसी ही स्थित बनी रही, तो अत्यधिक कठिन परिस्थिति निर्मित हो जाएगी। ऐसी स्थिति में केन्द्र सरकार की नदी जोड़ो योजना के अन्तर्गत नर्मदा, क्षिप्रा और चम्बल आदि नदियों को जोड़कर इन सूखी नदियों में पानी पहुंचाने की आवश्यकता है। पिछले 10 वर्ाों से नर्मदा, क्षिप्रा और काली सिंध नदी को जोड़ने की योजना का राज्य सरकार से सर्वे कराकर प्राथमिक कार्य किया है उसको और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही साथ पार्वती, बेतवा और छोटी कालीसिंध तथा आसपास की अन्य नदियों को जोड़ने की आवश्यकता है। इस संबंध में राज्य सरकार और केन्द्र सरकार नदी जोड़ो योजना आयोग ने कुछ कार्यवाही की है साथ ही काली-सिंध परियोजना (रणजीत सागर) के कार्यान्वयन हेतु भी प्राक्कलन आदि तैयार किया जा रहा है। उपरोक्त तीनों योजनाएं सूखे की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक हैं। अतःमेरा भारत सरकार से अनुरोध है कि इन तीनों योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु स्वीकृति प्रदान करने का कट करें।